वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 107 | सोमवार 14 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में कबाड़ से बनी 41 फीट की शिव मूर्ति

वजन 7 हजार किलो, साथ में 1200 किलो का शिवलिंग; त्रिशूल और डमरू भी खास

जयपुर. शाबाश इंडिया

7 हजार किलो की शिव प्रतिमा, 1200 किलो का शिवलिंग और 31 फीट के महात्मा गांधी। जयपुर में एक जगह पर ये तीनों अनोखी रचना देखी जा सकती है। खास बात है कि इन तीनों प्रतिमाओं को कबाड़ से तैयार किया गया है। यह प्रतिमाएं जयपुर के मानसरोवर में शिप्रा पथ स्थित एक मेले में सजाई गई है। यह मेला 5 अगस्त से 17 अगस्त तक दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक चल रहा है। इस मेले की खासियत है कि यहां लगी शिव प्रतिमा 41 फीट की है, जो इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज है। मेले के आयोजक दिनेश गौड़ ने बताया- इस प्रतिमा को तीन ट्रक में भरकर लाया गया है। इसके अलावा 1200 किलो का 10 फिट का शिवलिंग और 31 फीट के महात्मा गांधी की मूर्ति भी खास है। साथ में 41 फीट का त्रिशूल व डमरू भी लगा है। इन मूर्तियों को जोधपुर के रहने वाले अजय शर्मा ने बनाया है। मूर्तियों को जोधपुर से तीन ट्रकों में भरकर लाया गया है। इसे मेले में क्रेन की मदद से खड़ा किया गया। अजय शर्मा ने बताया- इस मूर्ति को बनाने में 1 साल का समय लगा। इस मूर्ति के 6 पार्ट है। एक में पूरा सर, 4 पार्ट में धड़ और एक में पूरा 41 फीट का त्रिशूल और डमरू है। जयपुर में इसके पार्ट्स को असेंबल करने में कुल 5 दिन का समय लगा।

एंट्री गेट हवा महल के जैसा

मेले को हेरिटेज लुक देने के लिए इसके एंट्री गेट को जयपुर के फेमस टूरिस्ट प्लेस हवा महल के जैसा बनाया गया है। इसकी ऊंचाई भी 41 फीट रखी गई है। इसे अलग-अलग रंग की लाइट से सजाया गया है। ये मेला 5 हजार स्क्वायर मीटर में लगा है। इसमें लगभग 125 स्टॉल्स लगी हैं। मेला जयपुर के मानसरोवर वीटी ग्राउंड पर शिप्रा पथ थाने के ठीक सामने लगा है। यह सिटी पार्क के भी बिल्कुल पास है।

बच्चों से लेकर बड़ों के लिए 40 से अधिक तरीके के झूले

दिनेश गौड़ ने बताया- इस मेले में 40 से अधिक तरीके के झूले लगे हैं। जहां बच्चे से लेकर बड़ों तक के लिए काफी ऑप्शन हैं। इनमें खास चांद तारा, पानी की नाव, कोलंबस, ब्रेक डांस सहित कई झूले मनोरंजन व आकर्षण का केंद्र बने हुए है। इस मेले में फर्नीचर, किचन वेयर ,आर्टिफिशियल ज्वेलरी, परफ्यूम, क्रोकरी, कपड़े, फिटनेस ,कंप्यूटर, शूज, कालीन, पर्दे, खिलौने, गद्दे, सोफे, चद्दरें , कारपेट, पानीपत का हैंडलूम, टेराकोटा के डेकोरेटिव आइटम सहित कई स्टॉल लगाई गई है।

देश के अलग-अलग राज्यों के हैंडमेड प्रोडक्ट

मेले में हैंडीक्राफ्ट की बड़ी श्रृंखला उपलब्ध है। भारत के सभी हिस्सों से हैंडीक्राफ्ट व्यापारी अपने उत्पाद लेकर आए है। मेले में डिस्काउंट के साथ कई आकर्षक स्कीम भी लॉन्च की गई है। यहां एक ही छत के नीचे हर तरह के उत्पाद मिल रहे हैं। वहीं, फूड जोन में अनेक तरह के व्यंजनों का लुफ्त भी लोग उठा रहे हैं। फूड जोन में साउथ इंडियन, चाइनीज फास्ट फूड, चाट पकौड़ी, नमकीन, चाय कॉफी सहित कई स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था है।

मेले में घूमने आए विक्रम अरोड़ा ने बताया- सावन का महीना चल रहा है। ऐसे में शिव की इतनी बड़ी मूर्ति और शिवलिंग के दर्शन करने का मौका मिला। बहुत खुशी हुई। मेला घूमने आए थे। जब यहां लगी इतनी बड़ी शिव की मूर्ति देखी तो काफी प्रसन्नता हुई। मेले में अपने दोस्तों के साथ आए मोहित ने बताया- मेले में इतने सारे अलग अलग तरीके के झूले लगे हैं। सबको एक एक करके ट्राई कर रहे हैं। इतने सारे झूले हैं। प्राइस भी कम है। मेले में खरीदारी करने आई राधिका ने बताया- यहां शॉपिंग के काफी ऑप्शन हैं। ज्वेलरी, कॉस्मेटिक्स और राखियां काफी अच्छी हैं।

वंदे मातरम् पर ओडिसी के साथ आए सभी शास्त्रीय नृत्य

जेकेके के रंगायन के मंच पर दिखा शास्त्रीय नृत्यों का अद्भुत समागम

जयपुर. कासं। आजादी के अमृत महोत्सव के मद्देनजर जवाहर कला केन्द्र में मधुरम् के तहत आयोजित युवा कलाकार शास्त्रीय नृत्य उत्सव में एक अनोखा दृश्य देखने को मिला। जहां देश के प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों यानी ओडिसी, भरतनाट्यम, मोहिनीअट्टम, मणिपुरी, कुचिपुड़ी, कथक, सत्रिया नृत्य दर्शकों को एक मंच पर देखने को मिले। वहीं अंत में 'वंदे मातरम्' पर सभी नृत्यों की संयुक्त प्रस्तुति ने सभी को देशभक्ति के भाव से भर दिया। नृत्य गुरु प्रतिभा जेना सिंह ने बताया कि जयपुर सांस्कृतिक एकता की मिसाल है, कला के माध्यम से देशभर में एकता का संदेश देने को यहां प्रस्तुत करने

के लिए 'वंदे मातरम्' की खास प्रस्तुति तैयार की गई। इसी के साथ स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में शामिल युवा कलाकार शास्त्रीय नृत्य उत्सव का समापन हुआ। नृत्यशिल्प गुरु सुरेंद्र नाथ जेना ओडिसी डांस फाउंडेशन और जेकेके के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित उत्सव में पुणे के अथर्व चौधरी ने भरतनाट्यम से शुरूआत की। अथर्व ने 'हनुमान कौतुकम' पेश किया, जिसमें संजीवनी बूटी वृतांत को दर्शाया गया। अथर्व ने रागम सुरुति और आदि तालम पर जावली भी पेश की। श्रीरेखा जी. नायर, डॉ. डायना श्रीजीत, श्रीलक्ष्मी श्रीजीत ने महाराजा स्वाति थिरुनल की ओर से रचित हिंदी भजन पर कृष्ण के प्रति गोपियों के प्रेम को दशार्ते हुए मोहिनीअट्टम की प्रस्तुति दी। अकोईजम सुरनजय सिंह ने मणिपुरी नृत्य के जरिए कृष्ण और गोपियों के नृत्य दृश्य को साकार किया।

सोनागिर की यात्रा पर पचपन सदस्यों का दल हुआ रवाना

नरेश कासलीवाल. शाबाश इंडिया

जयपुर। धर्म नगरी जयपुर से त्रिवेणी नगर जैन समाज के पचपन यात्रियों का एक दल रविवार को सोनागिर यात्रा के लिए रवाना हुआ ।शैलेन्द्र जैन व नरेश कासलीवाल ने बताया कि गांधी नगर स्टेशन जयपुर से प्रातः खजुराहो ट्रेन से दल रवाना हुआ। सभी यात्री सोमवार को सोनागिर पर्वताधिराज की पदवन्दना कर सुख समृद्धि की कामना करेंगे। ततपश्चात आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के दर्शन लाभ प्राप्त कर आर्शीवचनों का लाभ लेंगे। दोपहर में गोलाकोट के लिए रवाना होंगे जहां मंगलवार को प्रातः सामूहिक अभिषेक करेंगे। तत्पश्चात गोलाकोट से रवाना होकर चंदेरी में चौबीसी व थुवनजी अतिशय के दर्शन कर अशोक नगर से रात की ट्रेन से रवाना होकर बुधवार को जयपुर वापस पहुँचने का कार्यक्रम है। यात्रा दल में अशोक पापड़ीवाल,मुकेश रारा, विमल छाबड़ा, सुरेश सेठ, धर्मेन्द्र अजमेरा, कैलाश सौगाणी, नरेन्द्र सेठी, लोकेश जैन, अजय पाण्डया, अभय जैन, विशुतोष चांदवाड, कमल चांदवाड, प्रवीण पाण्डया, सुशील बडजात्या, सुशील जैन लोकेश पापड़ीवाल, अशोक पाटोदी, अशोक अजमेरा, वीरेन्द्र जैन, एस.पी. जैन, वीरेन्द्र पाटनी भी यात्रा दल के साथ रवाना हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में त्रिवेणी नगर जैन समाज के लोग भी उपस्थित थे।

जेएसजी सिद्धा परिवार द्वारा भव्यता के साथ मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस

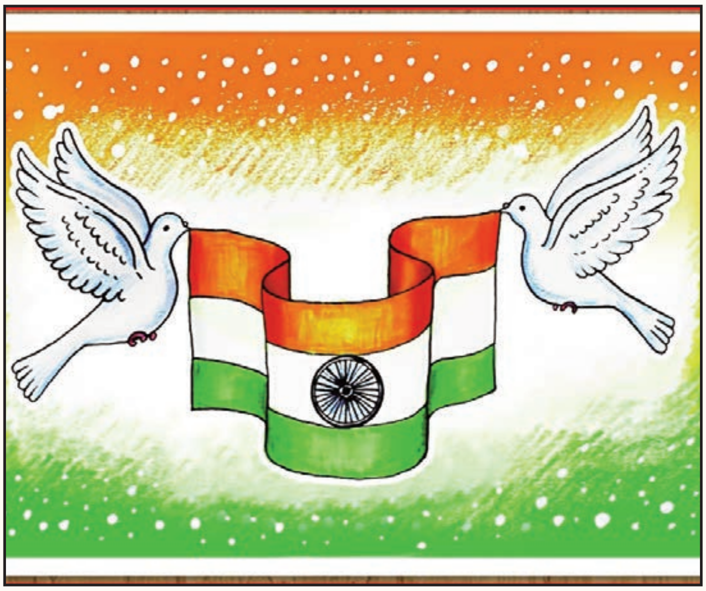

तिरंगा रेली के साथ करेंगे झंडारोहण

जयपुर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय अमृत महामहोत्सव के अंतर्गत जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्थन रीजन एवम जे एस जी सिद्धा परिवार के तत्वावधान में आजादी के 76वे वर्ष पर नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां के अतिथि ग्रह पर झंडारोहण किया जाएगा ।इससे पूर्व विशाल तिरंगा रैली 15 अगस्त 2023 प्रातः 8:15 बजे निकाली जायेगी। तत्पश्चात ए बी सी एल फेम संजय रायजादा के द्वारा संगीतमय देश भक्ति गीतो पर शानदार प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन सेवा सप्ताह के अन्तर्गत सिद्धा परिवार द्वारा नारायण सिंह सर्किल से भट्टारक जी की नसियां अतिथि ग्रह तक एक विशाल तिरंगा रैली आयोजन किया जाएगा। प्रातः 9.30 बजे अतिथि गृह, भट्टारक जी की नसियां, नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड, जयपुर पर झंडारोहण किया जाएगा।

।। प्रथम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि ।।

स्व.श्री प्रेमचन्द जी जैन छाबड़ा

जन्मतिथि 15 .07 .1945 | पुण्यतिथि 14 .08 .2022

"न होकर भी आप हमेशा हमारे संग रहेंगे
हमारे विचारों और शब्दो के भीतर सदा जीवित रहेंगे"

हम सभी आपको श्रद्धासुमन अर्पित करते है

श्रद्धावनत

चन्द्रकांता छाबड़ा (पत्नि)
दि.जैन सोशल ग्रुप के समस्त
सदस्यगण,नवीन सेन जैन,मोहनलाल
गंगवाल,गिरीश जैन,कैलाश सेठी, महावीर
बाकलीवाल,सुरेश जैन बांदीकुई,राजेन्द्र
कुमार बाकलीवाल (बस्सी वाले)

वेद ज्ञान

अहिंसक जीवन

हिंसा दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इसके परिणामस्वरूप जन-जीवन-अन्याय, शोषण, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार जैसी अनेक बुराइयों से ग्रस्त हो रहा है। इन बुराइयों को मिटाकर जन-जीवन को स्वस्थ बनाने के लिए अहिंसा ही एकमात्र विकल्प है, साधन है। इसलिए यह नितांत अपेक्षित है कि अहिंसा का अधिक-से-अधिक प्रचार-प्रसार हो। काम-क्रोध आदि शत्रुओं पर पूर्ण विजय प्राप्त करना कोई सहज बात नहीं है। यह एक आदर्श स्थिति है। अहिंसा के प्रति निष्ठा जागने के बावजूद भी उसकी पूर्णरूपेण साधना करना हर किसी के सामर्थ्य की बात नहीं है। महात्मा गांधी के मतानुसार-अहिंसा का, सत्य का मार्ग जितना सीधा है, उतना ही तंग भी। नट जिस डोर पर सावधानी से नजर रखकर चल सकता है, सत्य और अहिंसा की डोर उससे भी पतली है। जरा चूके कि नीचे गिरे। पल-पल की साधना से ही उसके दर्शन होते हैं। वस्तुतः अहिंसक जीवन जीना बहुत बड़ी साधना है। मंदिर में जाना, भजन-कीर्तन करना, यह सब व्यक्तिगत साधना के तरीके हैं। यदि कोई समझता हो कि इन तरीकों से अहिंसा की साधना पूरी हो जाएगी, तो यह भ्रम है। हमारा व्यवहार, व्यापार आदि कैसा है? यह देखकर ही अहिंसक जीवन की कसौटी की जा सकती है। अधिक-से-अधिक शोषण के जरिये पैसा एकत्रित करने की धुन अहिंसा की साधना में सबसे बड़ी बाधा है। तीर्थंकर महावीर के अनुसार दृष्टि निपुणता और सभी प्राणियों के प्रति संयम ही अहिंसा है। दृष्टि निपुणता का अर्थ है-सतत जागरूकता और संयम का अर्थ है-मन, वाणी और शरीर की क्रियाओं का नियमन। जीवन के स्तर पर जागरूकता का अर्थ तभी साकार होता है जब उसकी परिणति संयम में हो। संयम का लक्ष्य तभी सिद्ध हो सकता है जब उसका जागरूकता द्वारा सतत दिशा-निर्देश होता रहे। महावीर ने अहिंसा द्वारा सामाजिक क्रांति, अपरिग्रह द्वारा आर्थिक क्रांति और अनेकांत द्वारा वैचारिक क्रांति का सूत्रपात किया। महावीर का संपूर्ण जीवन आत्मसाधना के बाद सामाजिक मूल्यों और प्रतिमानों की प्रतिष्ठापना में व्यतीत हुआ। महावीर ने वैयक्तिक आत्मानुभूति को अत्यधिक महत्व देकर समाज-सृजन को गौण कर दिया, पर ऐसा सोचना-समझना उचित नहीं है।

संपादकीय

'आयुष्मान भारत' योजना में सेंधमारी

सरकारी योजनाओं में सेंध लगाने वाले हर समय ताक में रहते हैं। खासकर गरीबों के लिए चलाई जाने वाली ज्यादातर योजनाएं इसलिए अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती हैं कि उनमें अनियमितताओं की दर सबसे अधिक देखी जाती है। सरकारें इस हकीकत से अनजान नहीं हैं। मगर हैरानी की बात है कि कल्याण योजनाएं शुरू करने से पहले उन पर निगरानी के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू की गई थी, तब उम्मीद बनी थी कि इससे गरीब परिवारों को मुफ्त इलाज का लाभ मिल सकेगा। इस तरह देश का स्वास्थ्य सूचकांक भी सुधरेगा। मगर अभी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग ने इस योजना के संबंध में जो आंकड़े पेश किए हैं, वे चिंता पैदा करने वाले हैं। कैग ने तीन ऐसे मोबाइल नंबरों की पहचान की है, जिन पर

क्रमशः साढ़े सात लाख, एक लाख चालीस हजार और छियानबे हजार लोग इस योजना के तहत पंजीकृत थे। एक पैन नंबर पर दो पंजीकरण के कई मामले पाए गए, सात आधार नंबरों पर साढ़े चार हजार से अधिक लोगों का पंजीकरण हुआ है। इसमें तैंतालीस हजार से अधिक ऐसे परिवार पंजीकृत पाए गए, जिनमें सदस्यों की संख्या ग्यारह से लेकर दो सौ एक तक है। छह राज्यों में एक लाख से ऊपर पेंशनभोगी भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। कैग ने सितंबर 2018 से मार्च 2021 के बीच की अवधि में हुई अनियमितताओं का विश्लेषण किया है। ये अनियमितताएं इसलिए हो पाईं कि लाभार्थियों के पंजीकरण के सत्यापन में पुख्ता तरीका नहीं अपनाया गया। बहुत सारे लोगों ने अवैध नाम, अवास्तविक जन्मतिथि, नकली पहचान पत्र, परिवार के सदस्यों की गलत संख्या आदि दर्ज करा कर इस योजना का लाभ उठाते रहे। विश्लेषित अवधि के दौरान आयुष्मान भारत योजना के तहत सात करोड़ सत्तासी लाख लोग पंजीकृत थे। इस तरह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिन समूहों को ध्यान में रख कर यह योजना शुरू की गई थी, उनमें से कितने लोग इसका लाभ पाने से वंचित रह गए और अपात्र लोगों ने इसका फायदा उठा लिया। दरअसल, इस योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को भुगतान करता है, जिनके जरिए इलाज करने वाले अस्पतालों को भुगतान किया जाता है। यह बात तो लंबे समय से उठाई जा रही थी कि बीमा कंपनियां और बहुत सारे निजी अस्पताल मिलीभगत करके आयुष्मान भारत योजना में सेंधमारी कर रहे हैं, मगर उन पर नजर रखने के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए। योजनाओं का वास्तविक लाभ तब तक लक्षित समूह तक नहीं पहुंच पाता, जब तक कि उन पर निगरानी का तंत्र व्यावहारिक और पारदर्शी न हो। आयुष्मान भारत की तरह ही अनेक योजनाएं बड़ी अनियमितताओं का शिकार हो चुकी हैं। मनरेगा के अंतर्गत भी बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की शिकायतें आई थीं, जिस पर रोक लगाने के लिए कुछ तकनीकी इंतजाम किए गए, वास्तविक लाभार्थियों की पहचान में मुस्तैदी बरती जाने लगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भटकाने की कोशिश!

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह अब भी अपने बचाव में ऐसी लचर दलीलें देने से बाज नहीं आ रहे, जो शायद ही किसी के गले उतरती हों। दिल्ली की एक अदालत में उन्होंने कहा कि बिना यौन मंशा के किसी महिला को गले लगाना या स्पर्श करना अपराध नहीं है। उनकी दलील है कि चूंकि कुश्ती महासंघ में ज्यादातर प्रशिक्षक पुरुष होते हैं और वे जीत की खुशी या किसी महिला खिलाड़ी के बेहतर प्रदर्शन पर उत्साह में उसे गले लगा लेते हैं, तो इसे अपराध नहीं माना जा सकता। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने अपने आरोप पत्र में स्पष्ट कहा था कि यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और पीछा करने जैसे कृत्य के लिए बृजभूषण शरण सिंह को सजा सुनाई जा सकती है। छह महिला पहलवानों की शिकायत की गहन जांच के बाद दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ दंडात्मक धाराएं लगाई हैं। उसी मामले में अदालत में सुनवाई चल रही है, जिसे भटकाने की कोशिश बृजभूषण शरण सिंह कर रहे हैं। छिपी बात नहीं है कि महिला पहलवानों ने यह शिकायत इस साल फरवरी में ही की थी और इसकी जांच की मांग लेकर धरने पर बैठ गई थीं। तब खेल मंत्रालय ने एक जांच समिति गठित कर दी थी। हालांकि महिला पहलवानों को सरकार द्वारा गठित जांच समिति से कोई उत्साहजनक प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई थी। उसने जांच के बजाय पहलवानों को ही समझाने-बुझाने का प्रयास किया था। इससे नाराज होकर पहलवान फिर से आंदोलन पर उतर आए थे, जिसे कुचलने का भरसक प्रयास किया गया और अंततः उसे कुचल ही दिया गया। मगर उन्होंने हार नहीं मानी और अदालत पर भरोसा किया। अब भी वे इस संबंध में प्रेस से बातचीत का सिलसिला बनाए हुए हैं। उन्हें उम्मीद है कि न्याय मिलेगा। मगर जिस तरह शुरू से ही बृजभूषण शरण सिंह अपने ऊपर लगे आरोपों को दफन करने की हर कोशिश करते आए हैं, उससे खिलाड़ियों को उनके हर कदम पर नजर रखना जरूरी लगता है। सरकार भी खिलाड़ियों के बजाय बृजभूषण के पक्ष में खड़ी नजर आती रही। वे लगातार खिलाड़ियों के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां भी करते रहे। अब जब मामले की सुनवाई अदालत में चल रही है, वे बेतुकी दलीलें देकर उसे गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। बृजभूषण पर स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न, छेड़खानी और पीछा करने के आरोप हैं। पुलिस ने बहुत सारे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और दूसरे सहयोगी कर्मचारियों से पूछताछ के बाद इन आरोपों की पुष्टि की है। ऐसे में बृजभूषण शरण सिंह की यह दलील कि बिना यौन इरादे के महिला को छूने या गले लगाने को अपराध नहीं माना जा सकता। इसी तरह पहले उन्होंने कहा था कि महिला खिलाड़ियों के पेट और छाती पर हाथ रख कर वे उनकी सांसों की गति देख रहे थे। इस तरह की दलीलों से एक प्रकार से वे यह तो स्वीकार करते हैं कि उन्होंने खिलाड़ियों को गले लगाया, उन्हें छुआ और पीछा भी किया। फिर वे खुद यह कैसे कह सकते हैं कि उनका इरादा नेक था। महिलाएं तुरंत भांप जाती हैं कि उन्हें किसने किस इरादे से छुआ है। छूने के तरीके से ही किसी का इरादा पता चल जाता है। फिर यौन उत्पीड़न का मामला बिना गलत इरादे के तो बन नहीं सकता। इसलिए बृजभूषण शरण सिंह से अपेक्षा की जाती है कि अदालत को तय करने दें कि वास्तव में उनका इरादा क्या था।

नि:शुल्क हृदय संबंधित जांच एवं परामर्श शिविर का हुआ आयोजन 120 से अधिक मरीज हुए लाभान्वित

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। जैन समाज सीकर की अग्रणी संस्था जैन सोश्यल ग्रुप सीकर द्वारा लाइफ लाइन हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर सीकर के संयुक्त तत्वावधान में **नि:शुल्क हृदय संबंधित जांच एवं परामर्श शिविर** का आयोजन रविवार को बजाज रोड़ स्थित लाइफ लाइन अस्पताल में किया गया । मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि शिविर प्रातः 9 बजे प्रारंभ हुआ , इसमें कुल 120 मरीजों का रजिस्ट्रेशन किया गया । शिविर में 120 मरीजों की शुगर जांच , 17 मरीजो की ECHO, 96 मरीजों की कोलेस्ट्रॉल जांच , 67 मरीजों की फेफड़े की जांच , 79 मरीजो की हड्डियों की जांच, 82 मरीजो की HBA1C , 104 मरीजो की ECG की जांच की गई। शिविर संयोजक संजय बड़जात्या व आनंद मोदी ने बताया कि शिविर में डा. राहुल अजमेरा (DM CARDIOLOGIST) द्वारा नि:शुल्क परामर्श दिया गया । शिविर में ब्लड प्रेशर, ECG, ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल , ECHO , HBA1C , फेफड़ों व हड्डियों के कैल्शियम की आदि जांचे नि:शुल्क की गई । संयोजक राजेश मानजीका व अभिषेक सेठी ने बताया कि शिविर में सभी मरीजों का रजिस्ट्रेशन कर विभिन्न जांचे भी नि:शुल्क की गई । शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एन के अजमेरा साहब द्वारा भी मरीजों को भरपूर सहयोग दिया गया ।ग्रुप के सदस्य सांवरमल पाटनी व प्रदीप बिनायक्या ने बताया कि शिविर में जैन सोश्यल ग्रुप के सभी सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया ।

विद्वत संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न

19वीं सदी के महान संत आचार्य श्री शांतिसागर जी एवं गणेश प्रसाद जी वर्णी, परम्परा भले अलग हो लेकिन मनभेद ना हों: आचार्य श्री उदार सागर जी

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। परम पूज्य आचार्य श्री उदार सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं मंगल सान्निध्य में स्थानीय विद्वत संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम 13 अगस्त 2023 रविवार को चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर श्री दिगंबर जैन मंदिर, तिलकगंज सागर में संपन्न हुई। प्रथम उद्घाटन सत्र का मंगलाचरण श्रीमती रजनी चौधरी, पं राकेश शास्त्री ने किया। आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज का चित्रावरण, दीप प्रज्वलन , पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट उपस्थित विद्वानों एवं मंदिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। परम पूज्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष, संगोष्ठी सत्र की अध्यक्षता पं. नन्हे भाई शास्त्री वर्धमान कॉलोनी ,सारस्वत अतिथि पं. सुखदेव जैन नेहा नगर, पं. नेमीचंद विद्यार्थी दिल्ली रहे। संगोष्ठी कुलपति डॉ.हरिशचंद्र शास्त्री मुरैना, संगोष्ठी निर्देशक प्रतिष्ठाचार्य पं. पवन दीवान मुरैना मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुनील जैन, युवा उद्योगपति कपिल मलैया सागर रहे।

बच्चों सहित बड़ों ने कच्ची माटी से गणेश गढ़कर लिया प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

मार्तंड फाउंडेशन की अनुपम पहल

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गणेश चतुर्थी का पर्व आने वाला है, इसे लेकर हर साल की भांति घर गली मोहल्ले में अनेक स्थानों पर छोटी बड़ी भगवान गजानन की मूर्तियां स्थापित होकर गणपति बप्पा मोरया के स्वर भी गूंजते सुनाई देंगे। इस खास मौके के लिए ज्यादातर स्थानों पर प्लास्टर ऑफ पेरिस तथा रासायनिक रंगों से निर्मित प्रतिमाओं को पूजित कर झील तालाबों में विसर्जित किया जाता है। इससे पूरे पर्यावरण पर दुष्प्रभाव तो पड़ता ही है साथ ही नई पीढ़ी भी सनातन संस्कृति और पारंपरिक पूजा पद्धति से विमुख हो जाती है। यह विचार रविवार को भूपालपुरा स्थित महाराष्ट्र भवन सभागार में मूर्ति कला विशेषज्ञ कृष्ण केशव काटे ने व्यक्त किए। वे मार्तंड फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कच्ची माटी से गणपति निर्माण कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों से रूबरू हुए। काटे के दिशा निर्देशन में बीसियों छोटे बड़े प्रतिभागियों ने मिट्टी से प्रथम पूज्य के आकार को साकार रूप देकर फूल पत्तियों से उनका श्रृंगार करते हुए प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

ये सब बने भागीदार

इस खास मौके पर विलास किरण जानवे, योगाचार्य सुरेश पालीवाल, कृष्णा पालीवाल, आराहन आगाल, अद्वैत महाजन, डॉ. मनोज महाजन, राम, शॉन और पायल संगीडवार, प्रदत्त और अभिव्यक्ति ताम्हनकर, नीलेश नाथ, शिवांग महाजन, पुष्कर, परी और जसवंत कुमावत, वृष्टि, नमस्वी, श्रेयस, दीप्ति, अनीता सायखेडकर, मिलिंद और अनघा वरणगावकर, किंजल नेवे, मिलिंद और अर्चना भातोड़कर अन्य कई प्रतिभागियों ने माटी के विविध रूप में गजानन बनाए।

विशाल भक्ति संध्या आज 14 अगस्त को

सुप्रसिद्ध भजन गायक राजीव विजयवर्गीय होंगे मुख्य आकर्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री श्वेताम्बर जैन श्रीमाल सभा मोती डूंगरी रोड के तत्वावधान में और फोफलिया परिवार के संयोजन में पर्यूषण पर्व के उपलक्ष्य में मोती डूंगरी रोड, दादा बाड़ी में 14 अगस्त सोमवार को विशाल भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा। सभा के अध्यक्ष मनोज घांघिया ने बताया कि रात्रि 8 बजे से आयोजित होने वाली पोथा कल्पसूत्र जी की भक्ति संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक राजीव विजयवर्गीय सहित स्थानीय कलाकार अनिल कोठारी और नवरत्न बच्छावत सुमधुर भजन प्रस्तुतियां देंगे। अन्नू फोफलिया ने बताया की कार्यक्रम में श्री जिनदत्त सूरी युवा मंडल और श्री कुशल विचक्षण महिला मंडल का भी उल्लेखनीय सहयोग रहेगा। करमचंद, मिलापचन्द, कृष्णकुमार और विमलचंद फोफलिया आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय
महावीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
विद्यालय के उदीयमान विद्यार्थियों के सम्मानार्थ
सोमवार, दिनांक 14 अगस्त, 2023
प्रातः 11:00 बजे
विद्यालय प्रांगण में आयोजित
छात्र-प्रतिभा सम्मान समारोह
में आप सादर आमन्त्रित हैं।
माननीय डॉ. निर्मल जैन
भारत गौरव (London UK)
सदस्य, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड
परिवहन मन्त्रालय, भारत सरकार
मुख्य अतिथि होंगे।
उमराव मल संघी — अध्यक्ष
सुनील बख्शी — मानद् मन्त्री
रेनू गोस्वामी — आचार्या

मुनि शुद्ध सागर जी महाराज ने कहा...

समाधि के लिए ज्ञान का होना आवश्यक है

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई. शाबाश इंडिया। जैन मुनि शुद्ध सागर जी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाधि के लिए ज्ञान का होना आवश्यक है जो जितना ज्ञानी होगा उसकी समाधि उत्कृष्ट होगी। यह बात मुनि श्री ने रविवार को बिचला जैन मंदिर शांतिनाथ भवन मे कही उन्हौने ने कहा कि भगवान पर श्रद्धान करना लेकिन भगवान के भरोसे मत रहना। तेरा परिणम तेरे अनुसार होगा। समाधि के लिए अपने मे लीन होना पड़ता है। उन्होने यह भी कहा कि सच्ची श्रद्धा का नाम ही धर्म है। अपनी श्रद्धा सम्यक बनाकर के काम करेगा तो नियम से मोक्ष होगा।अपनी आत्मा मे लगी हुई कर्म रूपि कालिमा को पोछेगा तब तेरा कल्याण होगा। हे जीव वस्तु स्वरूप को समझ।जब तक तु कर्तव्य भाव को नही छोडेगा तब तक तेरी समाधि नही होगी। व्यक्ति अपनी इच्छाओ का दमन कर देगा उसी दिन से तेरी समाधि चालु हो जाएगी। इच्छा जब तक बेठी है तब तक कोई व्रती नही बन सकता। समाधि के लिए सबसे पहले इच्छाओ का अभाव करना पडेगा। अन्तरंग मे विश्वास बना कि मे अकेला आया हू अकेला जाऊगा। मेरी चेतन्य आत्मा कल्याण का साधन है। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता राकेश संघी ने बताया कि प्रवचन से पूर्व मंगलाचरण नंद लाल चौधरी ने किया। इसके बाद आचार्य

विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीपप्रज्जवलन समाज के श्रद्धालु द्धारा किया गया। संघी ने बताया कि सुबह सर्वप्रथम शुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य मे भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा के साथ कलशाभिषेक किया गया। तत्पश्चात चोबीस तीर्थकर के अर्ध चढ़ाकर नित्य नियम पूजा के साथ मुलनायक शांतिनाथ भगवान की विशेष पूजा अर्चना हुई। जिनवाणी स्तुति अजीत काला ने की। प्रवचन के बाद मुनि श्री का आहार हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष हेमचन्द संघी शिखर चन्द काला पदम पराना मोहन लाल चवरियां त्रिलोक चन्द हरभगतपूरा महेन्द सुनारा संजय प्रेस नवरत्न टौग्या पदम पीपलू त्रिलोक रजवास तारा चन्द मोदी रामलाल शाह पुनीत संघी शम्भु कठमाना सहित अनेक लोग मौजूद थे।

एस एफ एस मानसरोवर के श्रावकों ने किये चुलगिरी पर अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

सावन मास में चल रहे धार्मिक पखवाड़े कार्यक्रम में सकल दिगंबर जैन समाज एसएफएस के श्रावकों ने चुलगिरी जगह की बावड़ी के मंदिर के दर्शन किये। मंत्री सोभाग मल जैन के अनुसार प्रातः 7:30 बजे चूलगिरी पर विराजमान 1008 श्री आदिनाथ भगवान, श्री पार्श्वनाथ भगवान के श्री महावीर स्वामी के अभिषेक कर वहां सभी की सुख शांति हेतु कामना करते हुए भगवान पार्श्वनाथ की सामूहिक पूजन की गई। उसके पश्चात चूलगिरी की तलहटी में विराजमान राणा जी की नासिया व संघी जी के मंदिरों में दर्शन कर जगह की बावड़ी स्थित जैन मंदिर के दर्शन किए। वहां पर क्षेत्रपाल बाबा के सामूहिक रूप से चोला चढ़ाया गया मां पद्मावती की भव्य आरती संपन्न की।

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल जयपुर द्वारा सेवा सप्ताह मे गायों को हरा चारा गुड खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल जयपुर द्वारा जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के ''स्थापना दिवस'' के उपलक्ष्य मे नॉर्दर्न रीजन के आव्हान पर आश्रय सेवा सप्ताह के अन्तर्गत प्रताप नगर स्थित पिंजरापोल गौशाला पर गायों को हरा चारा, गुड, रोटी, खल काकड़ा व पक्षियों को चुग्गा दाना डाला गया। अध्यक्ष अनिल राँवका ने बताया कि कार्यक्रम के पुण्यार्जक राजकुमार -संतोष शोभित काला थे। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष सुभाष चंद जैन,नॉर्दर्न रीजन उपाध्यक्ष नरेश राँवका,अध्यक्ष अनिल राँवका, पूर्व अध्यक्ष दर्शन जैन,सुधीर गंगवाल,अमर जैन,उपाध्यक्ष राजेंद्र पांड्या, सचिव प्रमोद सुनीता जैन,कोषाध्यक्ष डॉ.मनीष जैन के साथ-साथ ग्रुप सदस्य राकेश शर्मिला पापड़ीवाल, संजय बैनाड़ा, नितेश पांड्या,एवं ग्रुप सदस्यो के बच्चों ने भी अपने हाथों से गायों को हरा चारा,गुड,रोटी खल,काकड़ा आदि एवं पक्षियों को चुग्गा दाना परिंडो में पानी डालकर, गऊ व पक्षी सेवा की इस कड़ी में हिस्सा ले अपना सहयोग प्रदान किया।

हरित राजस्थान को लेकर कृषि मंत्री कटारिया हैं गम्भीर

वैशाली नगर ब्लॉक एवं मण्डल कांग्रेस कमेटी द्वारा पौधारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक लालचन्द कटारिया के निर्देशन में आज वैशाली नगर ब्लॉक एवं मण्डल कांग्रेस कमेटी की ओर से वार्ड नंबर 52 के खातीपुरा रोड स्थित प्रताप नगर में सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा, सरदारशहर पंचायत समिति उप प्रधान केसरी शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, वैशाली नगर के अध्यक्ष जितेन्द्र कायथवाल, वैशाली नगर मण्डल कांग्रेस कमेटी संरक्षक जयकुमार जैन-बड़जात्या, वार्ड 52 कांग्रेस अध्यक्ष नीरज नाटाणी, ब्लॉक संगठन महामंत्री रणजीत सोनी, उपाध्यक्ष पवन अग्रवाल, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता अमरचंद मंडावरा, ब्रज बिहारी बोहरा, सरपंच गौरी शंकर शर्मा, मुकेश प्रजापत एवं स्थानीय निवासियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया।

राष्ट्र के रंग-धर्म के संग

जैन पाठशालाओं का 15 अगस्त को होगा श्रमण संयम महोत्सव 2023

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान द्वारा ''श्रमण संयम महोत्सव 2023'' के नाम से 15 अगस्त को आजादी का उत्सव आदिनाथ भवन मीरा मार्ग जयपुर में संस्कारों की जनक जैन पाठशालाओं का प्रथम सामूहिक उत्सव संस्थान के प्रेरक प पू आचार्य वसुनंदी जी महाराज के शिष्य त्रय मुनि सर्वानन्द मुनि ज़िना नन्द व मुनि पुण्या नन्द के पावन सानिध्य में मीरा मार्ग मन्दिर समिति व विद्या वसु चातुर्मास समिति के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की ''राष्ट्र के रंग-धर्म के संग'' के इस अमृत महोत्सव के मुख्य अतिथि समाज श्रेष्ठी नन्दकिशोर प्रमोद पहाड़िया होंगे तथा झण्डारोहण कैलाश चंद माणक चन्द रमेश ठोलिया द्वारा व पाद प्रक्षालन पन्नालाल ऋषब सेठी द्वारा किया जाएगा। महामंत्री सुनील पहाड़िया व कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया के अनुसार कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि संस्कृत शिक्षा समिति के अध्यक्ष एन के सेठी, मुनि संघ समिति अध्यक्ष देव प्रकाश खंडाका, श्रमण संस्कृति संस्थान के निदेशक पंडित शीतल चन्द्र शास्त्री, महावीरजी क्षेत्र के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, महावीर शिक्षा समिति अध्यक्ष उमराव मल सांघी , पदमपुरा क्षेत्र के अध्यक्ष सुधीर जैन तथा बालिका छात्रावास की अधिष्ठात्री शीला ड्योडा होंगे। कार्याध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस व संयुक्त महामंत्री संजय बडजात्या के अनुसार आजादी के इस भव्य उत्सव में जयपुर की जैन पाठशालाओं के करीब पाँच सो बालक बालिकाए व शिक्षक गण सहभागिता कर प्रस्तुतियाँ देंगें।

फागी व्यापार महासंघ बैठक आयोजित अनेक समस्याओं पर हुई समीक्षा

फागी. शाबाश इंडिया

व्यापार महासंघ के अध्यक्ष कुलदीप श्रीमाल की अगुवाई में नीमेडा ग्राम में स्थित जी. एस. पब्लिक स्कूल परिसर के सभागार में फागी व्यापार महासंघ की कार्यकारिणी की मीटिंग हुई। व्यापार महासंघ के प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया की उक्त मीटिंग में फागी व्यापार महासंघ के व्यापारियों के हितों की रक्षा हेतु विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। अध्यक्ष कुलदीप श्रीमाल ने कार्यकारिणी के द्वारा गत वर्ष के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के लिए कहा जिस पर कोषाध्यक्ष कमलेश जैन ने सम्पूर्ण लेखा-जोखा बैंक डिटेल सहित प्रस्तुत किया, बैठक में व्यापार महासंघ द्वारा बाजार में लगाई गई 40 स्ट्रीट लाइटों की समीक्षा की गई जिसमे सभी लाइटो को अच्छी स्थिति में पाया गया व व्यापिरयों को अविलम्ब सदस्यता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्णय किया गया। फागी जयपुर रोड से दूदू रोड पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने पर विचार विमर्श किया गया, चौकीदार व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए नियमित रूप से आने के लिए पाबंद किया गया ।कार्यक्रम में फागी कस्बे में हाईमास्क लाइटें लगवाने के लिए क्षेत्र के लोक सभा सांसद भागीरथ चौधरी के द्वारा बीस लाख रुपए देने की घोषणा की थी।उन रुपयों को लाकर उपयोग मे लाने की सहमति हुई। कार्यक्रम में व्यापार महासंघ के अध्यक्ष कुलदीप श्रीमाल, उपाध्यक्ष गिरिराज भाखर, राधेश्याम सोयल, रमेश कांटवा, विष्णु प्रधान, महामंत्री अनिल जैन कठमाना, कोषाध्यक्ष कमलेश जैन, सह कोषाध्यक्ष मंगल व्यास, पिंटू शर्मा पालड़ी, सलीम जारोली, अशोक कागला, गिरीराज झराना, तथा महासंघ प्रवक्ता राजाबाबू गोधा सहित सभी पदाधिकारी गण मोजूद थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आपके स्वास्थ्य में विटामिन डी की क्या भूमिका है?

शाबाश इंडिया। विटामिन डी आपके स्वास्थ्य में कई महत्वपूर्ण भूमिकाओं को निभाता है, खासकर आपके हड्डियों और स्नायु स्वास्थ्य में। यह एक फैट-सोल्यूबल विटामिन होता है, जो सबसे अधिक उच्च उर्जा देता है।

विटामिन डी की मुख्य भूमिकाएं: कैल्शियम और हड्डियों का स्वास्थ्य

विटामिन डी का महत्वपूर्ण स्त्रोत सूर्य की किरण होती हैं, जिनके संचितन से आपका शरीर कैल्शियम अवशोषित करता है।यह आपके हड्डियों और दाँतों को मजबूत बनाने में मदद करता है और रिकेट्स, ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाता है।रोज 20 मिनट की सुबह की धूप शरीर पर आने दें।

मांसपेशियों की ताकत

विटामिन डी सहायक भूमिका निभाता है अपने हड्डियों को मजबूत बनाने में, जिससे मांसपेशियों को भी सही रूप से बढ़ावा मिलता है। विटामिन डी के सहायक रूप से आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद मिलती है, जिससे आपके शरीर को संक्रमणों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

हार्मोन स्वास्थ्य

विटामिन डी के संपर्क में आने से हार्मोनों के स्तर में लगातार सुधार होता है।

दिमागी स्वास्थ्य

कुछ शोधों में, विटामिन डी का सहायक रूप से मानसिक स्वास्थ्य और मूड पर प्रभाव होता है। इसके अलावा, विटामिन डी का उचित स्तर बनाए रखना आपके पूर्ण स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कई समस्याओं से बचाता है और आपके शरीर को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।इसका सही उपयोग करना जोड़ों के दर्द से बचाता है,सूजन ठीक करता है,शरीर को मजबूती प्रदान करता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

धर्मसभा मे मरूधर केसरी रूपचंद मुनि महाराज की जन्मजयंती समारोह पत्रिका का हुआ विमोचन

भारत कि आन-बान-शान थे शूरवीर महाराणा प्रताप: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। भारत कि आन बान शान थे शूरवीर महाराणा प्रताप। रविवार को साहूकार पेठ श्री एस.एस.जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने विषेश धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को धर्म उपदेश देते हुए कहा कि भारत की वीर भूमि मे अनेक शूरवीरों को जन्म दिया है। लेकिन मातृभूमि की रक्षा और आत्म गौरव लिए महाराणा प्रताप ने अपना सर्वस्व न्यौछावर करके मुगलों कि अधिनता को नही स्वीकारा और मेवाड़ को गुलाम नही होने.दिया। त्याग, तपस्या, स्वतंत्रता के पुजारी महाराणा प्रताप का जीवन शौर्य एवं संघर्ष का हमारे लिए प्रतीक है। उनके जैसा बलिदानी योध्दा न हुआ है और ना ही हो सकता है। महाराणा के उपकारो कौई नही भुला सकता है। आज हमारा देश और धर्म सुरक्षित है तो प्रताप कि देने है।महाराणा प्रताप नितीवान,धर्म परायण,न्याय प्रिय,सुसंस्कारवान और नेक असुलो पर चलने वाले राजा थे। उन्होंने जीवन मे कभी भी अपने असुलो से समझौता नहीं किया। प्रताप एक शुरवीर योध्दा थे जिन्होंने मुठ्ठी भर सैना होने के बाबजूद भी अकबर की लाखों कि सैना को हल्दी घाटी के युध्द मे धूल चटवा दी। हल्दी घाटी के युद्ध मे अकबर जीत कर भी हार गया और महाराणा प्रताप हार भी जीत गये।

श्री राजपूत करणी सेना और समस्त राजपूत समाज की न्यायाधिकार महासभा अगले माह 23 सितम्बर को लेकसिटी में

उदयपुर. शाबाश इंडिया। अगले माह 23 सितंबर शनिवार को श्री राजपूत करणी सेना द्वारा लेकसिटी के गांधी ग्राउंड में विशाल न्यायाधिकार महासभा का आयोजन किया जाएगा। राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह झाला (बालाथल) ने बताया कि श्री राजपूत करणी सेना और समस्त राजपूत संगठन मेवाड़ के तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित होगा। इसी के मद्देनजर न्यायाधिकार महासभा का पोस्टर विमोचन रविवार को बीएन कॉलेज के कुम्भा सभागार में हुआ। इस दौरान पत्रकार वार्ता में बताया कि संगठन और समाज की ओर से सभी मिलकर सरकार से 17 सूत्रीय मुख्य मांगों पर विचार/सहमति चाहते हैं जिनमें वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा, क्षत्रिय कल्याण बोर्ड का गठन, पत्रकार सुरक्षा कानून,मठ, मंदिर एवं धार्मिक स्थल सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने, भारत में जातिगत जनगणना की मांग, कन्हैयालाल साहू के हत्यारों को पकड़वाने वाले प्रहलाद सिंह चुण्डावत व शक्ति सिंह चुण्डावत की सरकारी नौकरी व आत्मरक्षा सहित अन्य मांगें थीं। इस मौके पर श्री राजपूत करणी सेना के समस्त पदाधिकारियों का आह्वान किया गया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में महासभा में सम्मिलित होकर अपने अधिकारों के लिए एकजुट हो जाएं।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

जेएसजी महानगर सेवा सप्ताह कार्यक्रम की शुरूआत

13 अगस्त 2023 को गौशाला चारा वितरण से

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजीआईएफ नोर्थन रीजन के सेवा सप्ताह का शुभारंभ जैन सौशल ग्रुप महानगर के कार्यक्रम दुर्गापुरा गौशाला जयपुर में गायों को चारा वितरण के साथ रीजन चैयरमैन महेंद्र सिंघवी एवं सिद्धार्थ जैन सचिव द्वारा किया गया। इस अवसर पर महेंद्र गिरधरवाल, सी एस जैन सहित रीजन के सभी पदाधिकारी, महानगर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन सहित महानगर ग्रुप के पदाधिकारी रवि प्रकाश जैन, विरेंद्र जैन, राजीव जैन, दिपेश छाबड़ा, सुधीर सोनी, हेमंत बडजात्या, संजय काला एवं कार्यकारिणी, महानगर सदस्य उपस्थित रहे। आज के चारा वितरण कार्यक्रम के पुण्यार्जक महावीर - सुनीता कसेरा थे। ग्रुप अध्यक्ष संजय छाबड़ा एवं सचिव सुनील गंगवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। फैडरेशन रीजन सयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष महानगर रवि प्रकाश जैन ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जेएसजी अरिहंत ने गायो को हरा चारा वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नोर्दन रीजन के तहत आयोजित सेवा सप्ताह के प्रथम दिवस जीव दया के रूप में मनाया गया । आज दिनाँक 13.08.23 रविवार को जे एस जी अरिहंत के समस्त सफायर ग्रुप एवं कार्यकारिणी सदस्य द्वारा पिंजरापोल गौशाला प्रताप नगर जाकर गायों को चारा घास और पक्षियों को कबूतरों को दाना खिलाया गया।आज के गौ सेवा कार्यक्रम में उपस्थित रहे सभी सदस्यों की बहुत बहुत आभार।